कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (26) खण्ड -{51}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न सं 1-कलियुगी भ्रष्टाचारी से सतयुगी श्रेष्ठाचारी किसको बनाना है ?

A- देवताओं को

B- ब्राह्मणों को

C- मनुष्यों को

D- क्षत्रियों को

प्रश्न सं 2- ज्ञान की महसूसता का क्या सुख है ?

A- प्रेम

B- याद

C- शान्ति

D- पवित्रता

प्रश्न सं 3- संन्यासी लोग शान्ति को ढूंढ़ने जाते हैं। इस सम्बन्ध में बाबा क्या कहते हैं ?

A- शान्ति तो तुम्हारा धाम है।

B- शान्ति तो तुम्हारा स्वधर्म है।

C- तुम शान्ति के सागर की सन्तान हो।

D- शान्ति तुम्हारे गले का हार है।

प्रश्न सं 4- तुम याद में रहने की मेहनत किसलिए इतनी करते हो ?

A- क्योंकि बाबा कहते हैं।

B- क्योंकि श्रीमत पर चलने से ही राज्य भाग मिलेगा।

C- क्योंकि पापों का बोझा सिर पर है।

D- क्योंकि वो हमारा पिता है।

प्रश्न सं 5- बाप और बच्चों को दिल का सूक्ष्म कनेक्शन है, कौन है, जो दोनों को अलग कर सकता है ?

A- माया

B- दुनिया का आकर्षण

C- विकार

D- कोई भी ताकत नहीं जो अलग कर सके।

प्रश्न सं 6- वरदान तो सबको मिलते हैं ना, लेकिन समय पर वरदान को कार्य में लगाना इसको क्या कहते हैं ?

A- बाप से वर्सा लेना।

B- वरदान से लाभ लेना।

C- विजय माला के मणके बनेंगे।

D- मेहनत को मोहब्बत में बदल देंगे।

प्रश्न सं 7- सारे ज्ञान का सार कौन सी बातों में है ?

A- आत्मा

B- परमात्मा

C- ड्रामा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 8- सच्ची काशी कलवट खाना किसे कहेंगे ?

A- अन्त में किसी की भी याद न आये

B- पास विद् ऑनर हो जाना

C- अंत में एक बाप की ही याद रहे

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 9- भगवान, जिसे सारी दुनिया याद करती है, वह इस समय कहाँ है ?

A- मधुबन

B- सब जगह

C- परमधाम

D- हमारे सम्मुख बैठा है

प्रश्न सं 10- जब तक ..... न बने तब तक पावन बनना बड़ा मुश्किल है ?

A- भाई-बहन

B- ब्रह्मा की सन्तान

C- भाई -भाई

D- शिव की सन्तान

प्रश्न सं 11- दिन में भी याद कब आयेगी ?

A- जब अशरीरीपन का अभ्यास करेंगे।

B- जब धारणा होगी।

C- जब सारा दिन सर्विस करेंगे।

D- जब अमृतवेले उठकर याद करेंगे।

प्रश्न सं 12- संन्यासी लोग विकार छोड़ते हैं जंगल में जाने के लिए। तुम छोड़ते हो..... में जाने के लिए ?

A- मधुबन

B- सूक्ष्म वतन

C- अपने स्वीट होम

D- पवित्र दुनिया

प्रश्न सं 13- सबसे पहला न्यू मैन कौन है ?

A- ब्रह्मा

B- एडम

C- श्रीकृष्ण

D- आदि देव

प्रश्न सं 14- काम विकार कब आता है ?

A- जब बाबा की याद नहीं रहती।

B- जब कोई डिस सर्विस करते हैं।

C- जब देह अभिमान आता है।

D- जब श्रीमत पर नहीं चलते हैं।

प्रश्न सं 15- ब्रह्मा बाप के विशेष कदम इनमें से कौन सा नहीं है ?

A- सर्वन्श त्यागी

B- सदा आज्ञाकारी

C- सिद्धि स्वरूप

D- फरिश्ता

प्रश्न सं 16- ब्राह्मण-आत्माओं का निज़ी संस्कार क्या है ?

A- सर्वगुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी

B- अटेन्शन और अभ्यास

C- फरिश्ता और कर्मातीत

D- समीप और समान

भाग (26) खण्ड {51} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1- C. मनुष्यों को

हर एक को सदा सुखी, सदा शान्तमय बनाना है। *मनुष्य मात्र को कलियुगी भ्रष्टाचारी से सतयुगी श्रेष्ठाचारी बनाना है।* भारत में देवतायें थे, अभी नहीं हैं फिर जरूर देवतायें होंगे, उनको स्वर्ग कहा जाता है।

उत्तर सं 2- C. शान्ति

ज्ञान की महसूसता का सुख है ही शान्ति अर्थात् निर्विकल्प हो जाना। अन्दर जाने से शान्त रूप हो जाते हैं। इस अविनाशी ज्ञान से सम्पूर्ण शान्ति के स्थान पर जाए पहुंचते हैं।

उत्तर सं 3- D. शान्ति तुम्हारे गले का हार है

साधू सन्त आदि कोई को भी यह पता नहीं है कि आत्मा का स्वधर्म ही साइलेन्स है। संन्यासी लोग शान्ति को ढूँढने जाते हैं। *बाबा कहते हैं शान्ति तो तुम्हारे गले का हार है।* फिर हम जंगल में क्यों जायें! हम कर्मयोगी हैं।

उत्तर सं 4- C. क्योंकि पापों का बोझा सिर पर है

पापों का बोझा सिर पर है तो हिसाब-किताब अन्त में चुक्तू कर जाना है, इसके लिए तुम याद में रहने की इतनी मेहनत करते हो जो नहीं करते वह ऐसे ही थोड़ेही मुक्ति में

जायेंगे। कयामत के समय खूब सजा खाकर फिर मुक्तिधाम में चले जायेंगे।

उत्तर सं 5- D. कोई भी ताकत नहीं जो अलग कर सके

बाप और बच्चों का इतना दिल का सूक्ष्म कनेक्शन है जो कोई की ताकत नहीं जो अलग कर सके। सबसे बड़े-ते-बड़ा नशा बच्चों को सदा यही रहता है कि दुनिया बाप को याद करती लेकिन बाप किसको याद करता!

उत्तर सं 6- B. वरदान से लाभ लेना

बाप के रूप में याद, शिक्षक के रूप में पढ़ाई और सतुगुरू के रूप में प्राप्त वरदान कार्य में लगाना - यह तीनों में नंबरवन चाहिए। *वरदान तो सबको मिलते हैं ना लेकिन समय पर वरदान को कार्य में लगाना - इसको कहते हैं वरदान से लाभ लेना।*

उत्तर सं 7- D. उपरोक्त सभी

इन तीन बिंदियों में सारा ज्ञान-सागर का सार भरा हुआ है। *सारे ज्ञान का सार तीन बातों में हैं - परमात्मा, आत्मा और ड्रामा* अर्थात् रचना। आज का यादगार दिवस भी शिव अर्थात बिन्दु का है। बाप भी बिन्दु, आप भी बिन्दु और रचना अर्थात् ड्रामा भी बिन्दु।

उत्तर सं 8- D. उपरोक्त सभी

अन्त में किसी की भी याद न आये। एक बाप की ही याद रहे, यह है सच्ची काशी कलवट खाना। काशी कलवट खाना अर्थात् पास विद् ऑनर हो जाना जिसमें जरा भी सजा न खानी पड़े।

उत्तर सं 9- D. हमारे सम्मुख बैठा है

“मीठे बच्चे - *भगवान, जिसे सारी दुनिया याद करती है, वह तुम्हारे सम्मुख बैठा है* , तुम ऐसे बाप से पूरा वर्सा ले लो, भूलो मत"।

उत्तर सं 10- B. ब्रह्मा की सन्तान

एक बाप के बच्चे ब्राह्मण ब्राह्मणियां तुम आपस में भाई-बहन ठहरे। यह बात जब तक अच्छी तरह किसकी बुद्धि में नहीं बैठेगी तब तक विकारों से छूट नहीं सकते। *जब तक ब्रह्मा की सन्तान न बनें तब तक पावन बनना बड़ा मुश्किल है।* मदद नहीं मिलेगी।

उत्तर सं 11- D. जब अमृतवेले उठकर याद करेंगे

सवेरे उठकर बाबा को याद करना है। वह टाइम बहुत अच्छा है। वायब्रेशन भी शुद्ध रहता है *।अमृतवेले उठकर याद करने से दिन में भी याद आयेगी।* यह कमाई है।

उत्तर सं 12- D. पवित्र दुनिया

बाप कहते हैं यह तुम्हारा अन्तिम जन्म है। एक जन्म के लिए तो इस विकार का त्याग करो। *संन्यासी लोग छोड़ते हैं जंगल में जाने के लिए। तुम छोड़ते हो पवित्र दुनिया में जाने के लिए।* संन्यासियों को कोई टैम्पटेशन नहीं है।

उत्तर सं 13- C - श्रीकृष्ण

यह एक ही परमपिता परमात्मा है जो कहते हैं मुझे अपना शरीर नहीं है। मैं इनका आधार लेता हूँ, इनकी आत्मा भी पढ़ती है जो पहले नम्बर में देवता बनती है। जो न्यु मैन था वही पुराना हो गया है। *कृष्ण है सबसे पहला न्यु मैन*, फिर 84 जन्मों के बाद आकर ब्रह्मा बना।

उत्तर सं 14 - C - जब देह अभिमान आता है

कई हैं जिनको धारणा बिल्कुल होती ही नहीं है। क्रोध का भूत, लोभ का भूत, मोह का भूत एकदम काला कर देता है। *सबसे गंदा है काम विकार। वह भी तब आता है जब देह-अभिमान आता है।*

उत्तर सं 15- C - सिद्धि स्वरूप

ब्रह्मा बाप के विशेष पांच कदम

सबसे पहला कदम - *सर्वन्श त्यागी*। न सिर्फ तन से और लौकिक सम्बन्ध से लेकिन सबसे बड़ा त्याग,

दूसरा कदम - *सदा आज्ञाकारी* रहे। हर समय हर एक बात में - चाहे स्व-पुरुषार्थ में, चाहे यज्ञ-पालना में निमित्त बने तीसरा कदम - हर संकल्प में भी *वफ़ादार*। जैसे पतिव्रता नारी एक पति के बिना और किसी को स्वप्न में भी याद नहीं कर सकती, ऐसे हर समय एक बाप दूसरा न कोई चौथा कदम *विश्व-सेवाधारी*। सेवा की विशेषता- एक तरफ अति निर्माण, वर्ल्ड सर्वेन्ट; दूसरे तरफ ज्ञान की अथॉरिटी। पांचवा कदम - कर्मबन्धन मुक्त, कर्म-सम्बन्ध मुक्त अर्थात् शरीर के बंधन से मुक्त *फरिश्ता*, अर्थात् कर्मातीत।

उत्तर सं 16 - B - अटेंशन और अभ्यास

अटेन्शन और अभ्यास - यह भी सहज और स्वत: अनुभव करेंगे। अटेन्शन का भी टेन्शन नहीं रखना। कोई-कोई अटेन्शन को टेन्शन में बदल लेते हैं। *ब्राह्मण-आत्माओं का निज़ी संस्कार “अटेन्शन और अभ्यास'' है।*

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (26) खण्ड -{52}

प्रश्न सं 1- दुनिया में तो मुसीबत पर मुसीबत है। तुम्हारे लिए बहुत प्राप्ति है। वह तो दुःखी होकर मरते हैं और तुम ?

A- सुखी होकर मरते हो

B- बैठे हो यह शरीर छोड़ने के लिए

C- मौज मनाते हो

D- जीते जी मरते हो

प्रश्न सं 2-बाबा से युक्ति लेकर .....से कर्मबन्धन को काटते जाना है ?

A- सहनशीलता

B- धैर्यता

C- सर्व संबंध

D- खुशी

प्रश्न सं 3- जो ..... बनते हैं, फिर सतयुग में जाकर देवता बनेंगे ?

A- पवित्र

B- सम्पूर्ण निर्विकारी

C- बी.के.

D- सर्वगुण सम्पन्न

प्रश्न सं 4- आजकल तो मनुष्य अपनी भी पूजा कराते हैं, उनको कहा जाता है...?

A- रावण की पूजा

B- झूठखण्ड

C- भूत पूजा

D- आपे ही पूज्य,आपे ही पुजारी

प्रश्न सं 5- पढ़ाई और सर्विस पर पूरा ध्यान देना है,बाप समान मीठा बनना है। परन्तु ..... न सुनना है, न दूसरों को सुनाकर मुख कड़वा करना है।

A- व्यर्थ

B- परचिन्तन

C- संसार समाचार

D- ग्लानि

प्रश्न सं 6- बाप कहते हैं- हमको ..... प्रिय लगते हैं। ऐसे बच्चों को प्रदर्शनी की सर्विस में समझाना बहुत सहज होता है ?

A- योगी तू आत्मा

B- ज्ञानी तू आत्मा

C- धारणायुक्त

D- सर्विसिएबुल

प्रश्न सं 7- तुम्हें भक्ति की रोचक बातों के बजाए कौन सी बातें सबको सुनानी है ?

A- ज्ञान की बातें

B- ईश्वरीय बातें

C- रूहानी बातें

D- फरिश्तों की बातें

प्रश्न सं 8- सेवा में सफलता प्राप्त करने के लिए मुख्य कौन सा गुण चाहिए ?

A- सहनशीलता

B- धारणा

C- दृढ़ता

D- निरहंकारिता

प्रश्न सं 9- विचार सागर मंथन कर ..... की नई नई युक्तियां निकालनी हैं ?

A- ज्ञान

B- योग

C- धारणा

D- सेवा

प्रश्न सं 10- महावीर बच्चों ने कौन सा कर्तव्य किया है जिसका यादगार शास्त्रों में है ?

A- पवित्रता की धारणा की है।

B- विकारों रूपी रावण पर जीत पाई।

C- मूर्छित को संजीवनी बूटी देकर सुरजीत किया।

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 11- जो सर्विस करते-करते बाप से वर्सा लेते-लेते किसी भी कारण से बाप का हाथ छोड़कर चले गये, उन्हें कैसे सुरजीत करना है ?

A- सकाश देकर

B- प्यार से बात करके

C- पत्र लिखकर

D- संजीवनी बूटी खिलाकर

प्रश्न सं 12- आकारी और निराकारी स्थिति में सहज स्थित होना है तो क्या करो ?

A- देह अभिमान को छोड़ो

B- बाप समान बनो

C- निरहंकारी बनो

D- निर्विकारी बनो

प्रश्न सं 13- यह बेहद का खेल किन दो शब्दों के आधार पर बना हुआ है ?

A- सुख, दुःख

B- बाप, वर्सा

C- वर्सा, श्राप

D- पतित, पावन

प्रश्न सं 14- आप मास्टर रचयिता बच्चे, सम्पूर्णता की बंधाईयां मनाओ तो कौन विदाई ले लेगा ?

A- समय

B- प्रकृति

C- माया

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न सं 15- संगमुयग का फ्यूचर क्या है?

A- देवता

B- विनाश

C- फरिश्ता

D- सतयुग

प्रश्न सं 16- हर समय तो वाणी द्वारा सेवा नहीं कर सकते। थक जायेंगे। लेकिन किस विधि द्वारा हर समय सेवा कर सकते हो ?

A- मनसा द्वारा

B- अपने फीचर्स द्वारा

C- प्लैनिंग द्वारा

D- दृष्टि द्वारा

भाग (26) खण्ड {52} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर सं 1 - B - बैठे हो यह शरीर छोड़ने के लिए

दुनिया बहुत मुसीबतों में फँसी हुई है। तुम बहुत भाग्यशाली हो जो इन सब मुसीबतों से दूर निकल आये हो।

दुनिया में तो मुसीबत पर मुसीबत है। तुम्हारे लिए बहुत प्राप्ति है। वह तो दु:खी होकर मरते हैं। तुम बैठे हो यह शरीर छोड़ने के लिए। कहाँ पुराना शरीर खत्म हो तो हम वापिस बाबा के पास जायें।

उत्तर सं 2 - B - धैर्यता

हर एक का कर्मबन्धन अलग अलग है। कोई का हल्का, कोई का भारी है। *बाबा से युक्ति लेकर धैर्यता से कर्मबन्धन को काटते जाना है।*

उत्तर 3 - C - बी. के.

कलियुग में एक बाप को 8-10 बच्चे होंगे। प्रजापिता ब्रह्मा को देखो कितने ढेर बच्चे हैं। परन्तु वह हैं मुख वंशावली, *जो बी.के. बनते हैं, फिर सतयुग में जाकर देवता बनेंगे।*

उत्तर सं 4 - C - भूत पूजा

पहला नम्बर किसने गुरुद्वारा बनाया होगा फिर भक्ति मार्ग शुरू हो जाता है। पहले अव्यभिचारी भक्ति करते हैं फिर व्यभिचारी। *आजकल तो मनुष्य अपनी भी पूजा कराते हैं, उनको कहा जाता है भूत पूजा।*

उत्तर सं 5 - C. संसार समाचार

पढ़ाई और सर्विस पर पूरा ध्यान देना है, बाप समान मीठा बनना है। *संसार समाचार न सुनना है, न दूसरों को सुनाकर मुख कडुवा करना है।*

उत्तर सं 6 - B. ज्ञानी तू आत्मा

मोह रखना चाहिए बाप और अविनाशी ज्ञान रत्नों में। जितनी धारणा होगी उतना औरों को भी करायेंगे। *बाप कहते हैं हमको ज्ञानी तू आत्मा प्रिय लगते हैं।* प्रदर्शनी की सर्विस के लिए बाबा ज्ञानी बच्चों को ही ढूँढते हैं।

उत्तर सं 7 - C. रूहानी बातें

"मीठे बच्चे - *तुम्हें भक्ति की रोचक बातों के बजाए रूहानी बातें सबको सुनानी है*, रावण राज्य से मुक्त करने की सेवा करनी है"

उत्तर सं 8 - D. निरहंकारिता

निरहंकारिता का गुण। महावीर के लिए भी दिखाते हैं जहाँ भी सतसंग होता था, वहाँ जुत्तियों में जाकर बैठता था क्योंकि उसमें देह-अभिमान नहीं था, परन्तु इसमें बहादुरी चाहिए।

उत्तर सं 9 - D. सेवा

बाप और वर्से को याद करना है। देह-अभिमान छोड़ महावीर बन सेवा करनी है। *विचार सागर मंथन कर सेवा की नई नई युक्तियां निकालनी हैं।*

उत्तर सं 10 - C. मूर्छित को संजीवनी बूटी देकर सुरजीत किया

महावीर बच्चों ने मूर्छित को संजीवनी बूटी देकर सुरजीत किया है, इसका यादगार शास्त्रों में भी दिखाते हैं। तुम बच्चों को तरस पड़ना चाहिए।

उत्तर सं 11 - C. पत्र लिखकर

जो सर्विस करते-करते बाप से वर्सा लेते-लेते किसी भी कारण से बाप का हाथ छोड़कर चले गये, उन्हें पत्र लिखकर सुरजीत करो। पत्र लिखो कि तुम्हें क्या हुआ जो तुमने पढ़ाई छोड़ दी.... बदनसीब क्यों बने! गिरते हुए को बचाना चाहिए।

उत्तर सं 12 - C. निरहंकारी बनो

आकारी और निराकारी स्थिति में सहज स्थित होना है तो निरंहकारी बनो।

उत्तर सं 13 - C. वर्सा, श्राप

"वर्सा और श्राप" बाप सुख का वर्सा देते, रावण दु:ख का श्राप देता, यह बेहद की बात है। देवी-देवता धर्म वाले बाप से वर्सा लेते हैं। आधाकल्प के बाद फिर रावण श्राप देता है। तुम बच्चों को अब स्मृति आई कि हम निराकारी दुनिया में रहते थे फिर सुख का पार्ट बजाया।

उत्तर सं 14 - D. उपरोक्त सभी

संगमयुग पर आप बच्चों को वर्सा भी प्राप्त है, पढ़ाई के आधार पर सोर्स आफ इनकम भी है और वरदान भी मिले हुए हैं। तीनों ही संबंध से इस अधिकार को स्मृति में इमर्ज रखकर हर कदम उठाओ। *अभी समय, प्रकृति और माया विदाई के लिए इन्तजार कर रही है सिर्फ आप मास्टर रचयिता बच्चे, सम्पूर्णता की बंधाईयां मनाओ तो वो विदाई ले लेगी।*

उत्तर 15 - C. फरिश्ता

टीचर्स बोलने की सेवा तो यथाशक्ति समय प्रमाण ही करेंगे लेकिन फरिश्ता फ्यूचर के फीचर्स हों। *संगमुयग

का फ्यूचर फरिश्ता है, वह फीचर्स में दिखाई दे तो कितनी अच्छी सेवा होगी?* जब जड़-चित्र फीचर्स द्वारा अन्तिम जन्म तक भी सेवा कर रहे हैं

उत्तर सं 16 - B. अपने फीचर्स द्वारा

टीचर अर्थात् हर संकल्प, बोल और हर सेकण्ड सेवा में उपस्थित - ऐसे सेवाधारी को ही बापदादा टीचर कहते हैं। *हर समय तो वाणी द्वारा सेवा नहीं कर सकते हो। थक जायेंगे ना। लेकिन अपने फीचर्स द्वारा हर समय सेवा कर सकते हो।* इसमें थकावट की बात नहीं है। यह तो कर सकते हैं ना।